मनमानी

एसईसीएल जमुना-कोतमा में तानाशाही, प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर उठने लगे सवाल, क्वार्टर खाली करने का बनाया जा रहा दबाव

क्वार्टर सर्वे की आड़ में अवैध वसूली का आरोप

जमुना-कोतमा नवभारत 9 फरवरी। दक्षिण पूर्व कोलफील्ड्स लिमिटेड एसईसीएल के जमुना-कोतमा क्षेत्र में प्रबंधन की कार्यप्रणाली एक बार फिर कठघरे में है। माइनर्स कॉलोनी, जमुना टाउनशिप निवासी वरिष्ठ पूर्व कर्मचारी जगन्नाथ प्रसाद गर्ग द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद अब मामला और व्यापक रूप लेता जा रहा है।

आरोप है कि संपदा अधिकारी एवं जीएम ऑपरेशन अजय कुमार सिंह के निर्देशों पर क्वार्टर सर्वे के नाम पर लोगों से आधार कार्ड और मोबाइल नंबर लिए जा रहे हैं और फिर उनके अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा फोन कर क्वार्टर खाली कराने की धमकी देते हुए मनमानी वसूली की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोबाइल नंबर लेकर कर्मचारियों द्वारा यह कहा जाता है कि 'जिस दिन से क्वार्टर में रह रहे हो, उस दिन से आज तक का चार्ज देना पड़ेगा, नहीं तो क्वार्टर खाली करा लिया जाएगा।

पैसा नहीं देने वालों को बार-बार नोटिस भेजा जाता है

डर और दबाव में जो लोग पैसा दे देते हैं, उन्हें एक तरह का आवेदन या राहत दी जाती है, जबकि पैसा नहीं देने वालों को बार-बार नोटिस, सिक्योरिटी भेज कर और अन्य कानूनी डर दिखाकर क्वार्टर खाली कराने का दबाव बनाया जा रहा है यह पूरा मामला निष्पक्ष जांच का विषय बताया जा रहा है

नपा उपाध्यक्ष की चेतावनी, वसूली नहीं रुकी तो आंदोलन

इस पूरे मामले पर नगर पालिका परिषद पसान के उपाध्यक्ष अजय ताराचंद यादव ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि 15

दिवस के भीतर क्वार्टर खाली कराने के नाम पर चल रही वसूली बंद नहीं की गई, तो जमुना-कोतमा क्षेत्र के समस्त कोयलांचलवासी वृहद आंदोलन और धरना-प्रदर्शन करेंगे उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसकी समस्त जवाबदारी कलारी प्रबंधन की होगी। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

क्वार्टर का बिजली व पानी कनेक्शन काटा : गर्ग

माइनर्स कॉलोनी निवासी वरिष्ठ पूर्व कर्मचारी जगन्नाथ प्रसाद गर्ग ने आरोप लगाया है कि उनका मामला वर्ष 2014 से मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में लंबित है। कंपनी के नियम 25.3 के अनुसार न्यायालयीन प्रकरण लंबित रहने तक आवास सुरक्षा का प्रावधान है, इसके बावजूद बिना पूर्व सूचना के उनके क्वार्टर का बिजली और पानी कनेक्शन काट दिया गया।

पिता-पुत्र का अधिकारी ने किया अपमान

पीड़ित के अनुसार, 30 जनवरी 2026 को वे अपने पुत्र के साथ बिजली-पानी की समस्या और नोटिस के संबंध में संपदा अधिकारी के कार्यालय पहुंचे, जहां न तो उनकी बात सुनी गई और न ही कोई वैधानिक समाधान दिया गया। आरोप है कि अधिकारी द्वारा ऊंची आवाज में डांटते हुए पिता-पुत्र का अपमान किया गया और उन्हें कार्यालय से बाहर कर दिया गया एक वरिष्ठ नागरिक का अपने पुत्र के सामने इस प्रकार अपमान किया जाना निंदनीय और अमानवीय बताया जा रहा है

यूनियनों में रोष, आंदोलन की चेतावनी

मामले के उजागर होने के बाद ट्रेड यूनियनों में भारी रोष है। यूनियन नेताओं का कहना है कि यदि शीघ्र ही बिजली-पानी बहाल नहीं किया गया और अवैध वसूली व धमकी देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे। यह पूरा मामला अब केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहकर सैकड़ों क्वार्टरधारकों की समस्या के रूप में सामने आ रहा है, जिस पर प्रशासन और कंपनी प्रबंधन की त्वरित व पारदर्शी कार्रवाई की मांग तेज होती जा रही है।

फ्लाईओवर ब्रिज का कार्य एक बार फिर अटका

अनूपपुर, नवभारत। अनूपपुर शहर में पिछले लगभग 9 वर्षों से निर्माणाधीन आरओबी बीके 61 फ्लाईओवर ब्रिज का कार्य एक बार फिर सुस्ती का शिकार हो गया है। निर्माण की धीमी प्रगति को लेकर अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण उपसंभाग शहडोल ने कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग रीवा को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि रेलवे विभाग द्वारा अपने हिस्से का कार्य पूरा करते हुए रेलवे पोर्शन की लॉन्चिंग कर दी गई है तथा ए-2 एबटमेंट साइड की जगह भी पूरी तरह खाली कर दी गई है। इसके बावजूद संबंधित ठेकेदार द्वारा ए-2 साइड की रिटेनिंग वॉल का कार्य अब तक प्रारंभ नहीं किया गया है। इतना ही नहीं, एबटमेंट ए साइड की रिटेनिंग वॉल में भी बैंक फिलिंग का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।

लगातार हो रही देरी से नागरिक परेशान

प्रशासनिक स्तर पर कई बार कलेक्टर द्वारा निर्माण कार्य की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए, लेकिन ठेकेदार द्वारा कार्य के प्रति कोई रुचि नहीं दिखाई जा रही है। लगातार हो रही देरी से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब विभागीय स्तर पर ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की संभावना भी जताई जा रही है, जिससे आने वाले दिनों में निर्माण कार्य में तेजी आने के आसार बन सकते हैं।

मांगें नहीं मानी गईं तो 23 से किया जाएगा आंदोलन

कोयला खदान श्रमिक संगठन की एसईसीएल को चेतावनी

जमुना कोतमा 9 फरवरी। कोयला खदान श्रमिक संगठन, जमुना-कोतमा क्षेत्र ने औद्योगिक विवाद अधिनियम की धारा 22 के तहत क्षेत्र की लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं को लेकर एसईसीएल प्रबंधन को नोटिस जारी किया है। संगठन के महामंत्री रोशन उपाध्याय ने कहा कि बार-बार बैठकें होने और सहमति बनने के बावजूद आज दिनांक तक श्रमिकों से जुड़ी गंभीर समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया है, जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कोयला खदान श्रमिक संगठन द्वारा वर्ष 2025-26 की लंबित पदोन्नति तत्काल जारी करने 9 दिसंबर 2025 की कंपनी स्तरीय बैठक के निर्णय अनुसार उच्च पद रिक्त होने की स्थिति में

निचले पद से पदोन्नति करने, सर्वेयर ग्रेड-1 कर्मचारियों को सीनियारिटी देने, जमुना-कोतमा क्षेत्र की समस्त कॉलोनियों में बिजली, पानी, सफाई एवं स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने, आवासों की मरम्मत एवं दरवाजा-खिड़की जैसे लंबित कार्य पूर्ण करने की मांग की गई है।

अनफेयर लेबर प्रैक्टिस पर तत्काल रोक लगाने की मांग

इसके अलावा अनफेयर लेबर प्रैक्टिस पर तत्काल रोक लगाने, सामुदायिक भवनों, क्लबों एवं खेल मैदानों के निर्माण व जीर्णोद्धार, जमुना फिल्टर रोड की जर्जर पुलिया हटाकर सुरक्षित सड़क निर्माण, श्रमिकों को नियमानुसार पानी की बोतल उपलब्ध कराने, लंबित चश्मा, टीए एवं मेडिकल बिल का शीघ्र भुगतान, बरतराई खदान सहित सभी खानों में पी.एस.-5 से संबंधित लंबित राशि जमा कराने, आवास समिति के निर्णय अनुसार पूर्ण आवंटन करने करने की मांग की गई है।

कोल परिवहन बंद जैसे कदम उठा सकते हैं

संगठन के महामंत्री रोशन उपाध्याय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 14 दिवस के भीतर मांगों पर ठोस एवं सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन 23 फरवरी से एसईसीएल महाप्रबंधक कार्यालय, जमुना-कोतमा क्षेत्र के समक्ष आंदोलनात्मक कार्रवाई करने को बाध्य होगा आंदोलन के दौरान गेट मीटिंग, क्रमिक भूख हड़ताल एवं कोल परिवहन बंद जैसे कदम उठाए जा सकते हैं, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में लापरवाही पर कार्यवाही

13 अधिकारियों पर 10 हजार का जुर्माना

अनूपपुर, नवभारत 9 फरवरी। सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं किए जाने को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने नॉन अटैण्ड शिकायतों के मामले में 8 विभागों के 13 अधिकारियों पर कुल 10 हजार रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया है। जिन विभागों के अधिकारियों पर यह कार्रवाई की गई है, उनमें उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, नगरीय विकास एवं आवास विभाग, पर्यावरण विभाग, राजस्व विभाग, वित्त विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग एवं गृह विभाग शामिल हैं।

सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

अपर कलेक्टर द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अधिरोपित शास्ति की राशि अनिवार्य रूप से जिला रेडक्रास सोसायटी के बैंक खाते में जमा कराई जाए, साथ ही जमा राशि की पावती कलेक्ट्रेट स्थित लोक सेवा प्रबंधन कार्यालय में उपलब्ध कराना भी अनिवार्य किया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जुआ खेलते 7 गिरफ्तार, 3,440 रुपये जब्त

अनूपपुर, नवभारत। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में थाना रामनगर पुलिस ने अवैध जुआ गतिविधियों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस को बीती रात मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम जमुडी स्थित शारदा मंदिर के पास सार्वजनिक स्थान पर कुछ लोग ताश के पत्तों पर पैसों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर थाना रामनगर पुलिस ने मौके पर दबिश देकर जुआ खेलते हुए 7 आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मंगलदीन केवट, प्रसाद केवट, भरिया केवट, सुंदर केवट, रामसुजान यादव, लालमन अगरिया एवं बुध्दसेन केवट शामिल हैं। सभी आरोपी ग्राम जमुडी एवं आसपास के क्षेत्रों के निवासी बताए गए हैं। मौके से पुलिस ने 3,440 नगद राशि जब्त की। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना रामनगर में जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

एक नजर में

रेत का अवैध परिवहन करते ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

अनूपपुर, नवभारत। अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जैतहरी पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रेत सहित जब्त किया है। 9 फरवरी को थाना जैतहरी को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि सगमन घाट पाटन से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में अवैध रूप से रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना जैतहरी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए मुखबिर के बताए स्थान पर रेड कार्रवाई की गई। रेड के दौरान सगमन घाट पाटन से एक लाल रंग का महिंद्रा कंपनी का ट्रैक्टर, जिसके साथ नीले रंग की ट्रॉली में रेत लोड थी, अवैध रूप से परिवहन करते हुए पाया गया। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर को रोककर चालक से पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपना नाम राजेश सिंह बताया।

चालक दस्तावेज पेश नहीं कर पाया

चालक से रेत परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस दिया गया, किंतु वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके पश्चात पुलिस द्वारा मौके से रेत सहित ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त कर पुलिस कब्जे में लिया गया। उक्त चालक/मालिक के विरुद्ध अवैध रेत परिवहन के संबंध में संबंधित धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

सिविल सर्जन व्यवस्थाओं का निरीक्षण करे : पंचोली

कलेक्टर ने कहा-वन विभाग की समस्याओं का आपसी समन्वय से करें निराकरण

अनूपपुर, नवभारत 9 फरवरी। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कलेक्टर कार्यालय स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में जिले के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वन विभाग से संबंधित समस्याओं का निराकरण आपसी सामंजस्य एवं समन्वय के साथ किया जाए।

उन्होंने कहा कि वन मंडलाधिकारी के साथ नियमित समन्वय स्थापित कर वन भूमि से जुड़े प्रकरणों, निर्माण कार्यों एवं विकास योजनाओं की जानकारी साझा की जाए, जिससे विकास कार्यों में अनावश्यक बाधाएं नहीं आएं। बैठक के दौरान कलेक्टर ने जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का समय-समय पर

सतत निरीक्षण किया जाए।

शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित एफआरएस, ई-केवाईसी एवं आधार सत्यापन की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, धात्री महिलाओं तथा 0 से 6 माह, 6 माह से 3 वर्ष एवं 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के हितग्राहियों का शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने हेतु गांव-गांव अभियान मोड में शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

अप्रैल माह से जनगणना कार्य होगा प्रारंभ

बैठक में कलेक्टर ने जानकारी दी कि अप्रैल माह से जनगणना कार्य प्रारंभ होगा। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी, वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें। साथ ही सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय-सीमा में निराकरण एवं शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर संवाद स्थापित कर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए।

जनगणना 2027 को लेकर जिला स्तरीय बैठक कल

अनूपपुर, नवभारत। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी दिलीप कुमार पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियमावली 1990 (समय-समय पर संशोधित) के अंतर्गत भारत की जनगणना 2027 कराए जाने की मंशा से संबंधित अधिसूचना भारत सरकार द्वारा 16 जून 2025 को आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि जनगणना का कार्य दो चरणों में संपादित किया जाएगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण तथा द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। जनगणना का प्रथम चरण अतिशीघ्र प्रारंभ किया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में जनगणना कार्य की रूपरेखा तैयार करने के उद्देश्य से कलेक्टर हर्षल पंचोली की अध्यक्षता में 11 फरवरी को शाम 5 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय में बैठक आयोजित की जाएगी।

अमरकंटक में महाशिवरात्रि मेला 14 से

कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपे दायित्व

अनूपपुर, नवभारत 9 फरवरी। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर पवित्र नगरी अमरकंटक में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 फरवरी से 18 फरवरी तक वृहद महाशिवरात्रि मेला आयोजित किया जाएगा। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व होने के कारण बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली ने मेला व्यवस्थाओं के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं।

कलेक्टर ने वन मंडलाधिकारी अनूपपुर को जलाऊ लकड़ी एवं बेरिकेटिंग हेतु बांस-बल्ली की व्यवस्था, अनुविभागीय दण्डाधिकारी पुष्पराजगढ़ को कानून-व्यवस्था, कर्मचारियों की ड्यूटी, विश्रामगृहों के आरक्षण एवं धर्मशालाओं में यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं

स्वास्थ्य अधिकारी को एंबुलेंस, चिकित्सक दल एवं आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी गई है।

विभागीय स्टॉल लगाने के दिए निर्देश

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद अमरकंटक को साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, अस्थाई चलित शौचालय, बेरिकेटिंग तथा झूला एवं मनोरंजन उपकरणों की जांच का दायित्व सौंपा गया है। लोक निर्माण विभाग, जल संसाधन विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को मेला मैदान एवं जल संरचनाओं से संबंधित व्यवस्थाओं एवं विभागीय स्टॉल लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

शिव मारुति युवा संगठन की सेक्टर स्तरीय बैठक आयोजित

अनूपपुर, नवभारत। जन अभियान परिषद के नेतृत्व में 9 फरवरी को विकासखंड जैतहरी के सेक्टर क्रमांक 5 अंतर्गत ग्राम पंचायत बरबसपुर में शिव मारुति युवा संगठन की मासिक सेक्टर स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नवांकुर संस्था, परामर्शदाता, प्रस्फुटन समितियां एवं सीएमसीएलडीपी के छात्रों का सक्रिय सहयोग रहा। बैठक में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष बृजेश राठौर सहित प्रथमेश केशरवानी, अंश गुप्ता, उत्कर्ष कोरी उपस्थित रहे। परामर्शदाता सपना सिंह पटेल के मार्गदर्शन में नवगठित प्रस्फुटन समितियों को आगामी माह की कार्ययोजना बनाकर सक्रिय रूप से कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही सभी समितियों को प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए, जिससे समिति के सभी सदस्य सक्रिय सहभागिता निभा सकें।

पटवारी सामूहिक अवकाश पर, 11 से हड़ताल की चेतावनी

अनूपपुर, नवभारत। मध्य प्रदेश पटवारी संघ जिला इकाई अनूपपुर द्वारा 4 फरवरी को जिला प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन पर कोई कार्यवाही नहीं होने से नाराज होकर जिले के समस्त पटवारी 9 फरवरी से सामूहिक अवकाश पर चले गए हैं। पटवारियों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांग जनवरी माह का वेतन है, जिसे पूरे माह कार्य कराने के बावजूद माह के अंतिम दिन रोक दिया गया। यह प्रक्रिया बीते पिछले पांच महीनों से लगातार अपनाई जा रही है, जिससे कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है। इसके अलावा पटवारियों ने बोर्ड परीक्षाओं में कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में लगाई गई ड्यूटी करने से भी इनकार कर दिया है। पटवारी संघ का कहना है यदि जल्द ही उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो 11 फरवरी से टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी।

आयोजन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित, तकनीकी नवाचारों से पर्यावरण संकट का समाधान संभव

जैव विविधता का संरक्षण मानव जीवन की सुरक्षा से सीधे जुड़ा है : शुक्ल

अनूपपुर, नवभारत 9 फरवरी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में जैव विविधता की स्थिति एवं संरक्षण नीतियों में नवीन रुझान विषय पर 6 एवं 7 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। सेमिनार का उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन तथा संरक्षण नीतियों में हो रहे नवीन परिवर्तनों पर शोध-आधारित विमर्श करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। संगीत साधक ऋषिराज सिंह के संगीत संयोजन में स्वागत गीत की मनोहारी प्रस्तुति दी गई। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ. नीरज श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष हिंदी द्वारा किया गया।

प्राचार्य ने किया अतिथियों का अभिनंदन

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार सक्सेना ने स्वागत उद्बोधन में देश के विभिन्न प्रांतों से आए अतिथियों का अभिनंदन करते हुए राष्ट्रीय स्तर की सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त की। सेमिनार की संयोजक डॉ. राधा सिंह, विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र ने अतिथियों का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पं. शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि जैव विविधता का संरक्षण मानव जीवन एवं भविष्य की सुरक्षा से सीधे जुड़ा हुआ है।

विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए

सेमिनार के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिनमें जैव विविधता में हो रही कमी, जनजातीय क्षेत्रों की जैव विविधता, सतत विकास एवं नीति-निर्माण जैसे विषयों पर शोध-पत्र प्रस्तुत किए गए।

समापन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आशीष तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने सेमिनार के सफल आयोजन की सराहना करते हुए ऐसे अकादमिक आयोजनों को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत उपयोगी बताया।

जलवायु परिवर्तन पर भी वक्ताओं ने विचार रखें

उन्होंने कहा कि संरक्षण नीतियों में नवीन रुझानों, तकनीकी नवाचारों एवं शोध-आधारित समाधानों को अपनाकर ही पर्यावरणीय संकट का समाधान संभव है। सेमिनार में विशिष्ट वक्ताओं के रूप में प्रो. रमाकांत पाण्डेय बीआईटी पटना, डॉ. नेतराम कौरव शासकीय होल्कर साइंस महाविद्यालय, डॉ. देवेन्द्र कुमार पटेल गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, डॉ. अवधेश कुमार श्रीवास्तव शासकीय डीटीपीजी कॉलेज दुर्ग एवं डॉ. आदित्य अभिनव श्रीवास्तव भवंस मेहता महाविद्यालय, कौशाम्बी, उत्तर प्रदेश ने जैव विविधता संकट, जलवायु परिवर्तन, मानव गतिविधियों के प्रभाव तथा संरक्षण रणनीतियों पर अपने विचार रखे।